Rajesh Bhartiya
Govt. High School Badodiya Talab, Block Narsinghgarh Rajgarh, Madhya Pradesh
Email id: rajeshbhartiya2011@gmail.com

Abstract

The school head and his team identified students who were irregular or those who had discontinued education after class 8; worked through teams of students associated with junior red cross and made home-to-home contact, created awareness about education and discussed the adverse effects of child marriage. They sought help from the community and representatives of organizations to create awareness about the importance of education - through slogans, chaupal discussion, pamphlet distribution, rallies etc. Special provision has been made for the neediest students of the school (from economic background). The perspective of parents has changed; they are willing to send their children to government schools because of provision of quality education. People are aware of various government schemes and cooperate with the school.

शाला का सन्दर्भ : सामाजिक-आर्थिक सन्दर्भ

राजगढ़ जिले की रमणीय सुव्यवस्थित ऐतिहासिक तहसील नरसिंहगढ़ में अपनी जल संरचना 'तालाब'(चित्र क्रमांक 1) से पहचानी जाने वाली ग्राम पंचायत बड़ोदिया तालाब राष्ट्रीय राजमार्ग क्रं.–12 से 3 कि.मी. अन्दर स्थित है। इसकी सामाजिक व आर्थिक संरचना दोनो ही इसे कमजोर स्तर की पंचायत बनाती है।

चित्र क्रं. 1 भाग–2

वर्ष 2011 की जन गणना में यहॉ की कुल आबादी 3421 है जिसमें 1810 पुरूष व 1611 महिलाऐं है। यहॉ का समाज पिछड़ा वर्ग प्रधान है? समाज में 67 प्रतिशत पिछड़ी जाति, 20 प्रतिशत अनुसूचित जाति, 9 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति व 4 प्रतिशत सामान्य जाति की आबादी है। यहॉ की साक्षरता दर 57.1 प्रतिशत है। तथा लिंगानुपात प्रति 1000 पुरूष पर 890 महिला है।(तालिका क्रमांक 1) समाज में आर्थिक उपार्जन के सीमित साधन है। कृषि, दिहाड़ी मजदूरी, चुनाई, बढ़ई का कार्य प्रमुख रूप से किये जाते है। अनुसूचित जाति एवं जन जाति वर्ग की आर्थिक दशा अत्यंत सोचनीय है।

यहॉ का सांस्कृतिक ताना–बाना मूलतः सनातन धर्म के अनुरूप है प्रायः सभी प्रमुख त्यौहार होली, दिवाली, दशहरा, उल्लास से मनाये जाते है। ग्राम परिवेश होने से छठ पूजा, देवनारायण जयंती, भुजरिया, लवकुश जयंति आदि मनाए जाते है। क्योंकि यहॉ मुख्यतः खाती, गुर्जर ,काछी ,जाटव, एवं सहरिया समुदाय की बहुलता है। लोक देवता के रूप में कालाजी , देवनारायण जी, कुँवर चैनसिंह जी की पूजा की जाती है।

लोक कला के रूप में मांडना, संजाबाई (चित्र क्रमाक 2) व गीत के रूप में देवगीत, संजा, हिरणी, घड़ल्या, हीड़ आदि प्रचलित है।

ग्राम पंचायत में उमठवाड़ी मालवी भाषा स्थानीय बोली के रूप में प्रचलित है जिसमें बुंदेलखंडी व राजस्थानी का मिश्रित स्वरूप मिलता है। समाज में साक्षरता दर कम होने से नातरा प्रथा, बाल विवाह व घर के आर्थिक परिदृश्य के कारण बालश्रम (चित्र कं.3) व बालिका शिक्षा के अवरूद्व होने की चुनौती बड़ी विकट है।

विद्यालय एक लघु समाज है तो वह भी इन चुनौतियों से प्रभावित होता है।

चुनौतियाँ के समाधान की योजना

सामाजिक चुनौतियॉ विद्यालयीन शिक्षा पर सीधा प्रभाव डालती है। 'बाल विवाह' जैसी चुनौती बालिकाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से विलग करती है तो आर्थिक विपन्नता व नातरा प्रथा के झगड़े भी बालक–बालिकाओं की शिक्षा यात्रा पर असमय ही विराम लगाते है। ग्राम का अधिकांश समुदाय श्रमिक है वह मजदूरी हेतु अन्यत्र स्थान भी जाते है जिसमें बालक–बालिका विद्यालय में नियमित उपस्थित नही हो पाते।

इन चुनौतियों से निपटने के लिये विद्यालय स्तर पर मेरे द्वारा व स्टॉफ सदस्यों द्वारा कार्य योजना बनाकर कार्य किया। सर्वप्रथम ऐसे बालकों का चिंहानांकन किया जो अनियमित है या 8वीं के बाद अध्ययन छोड़ चुके है उनकी परिवारिक दशा को जाना व जूनियर रेडक्रास दल के बालक–बालिकाओं के माध्यम से जागरूकता का प्रयास किया। (चित्र क्रं. 1) इसके लिये –

- घर–घर जा कर सम्पर्क किया।
- शिक्षा का महत्व बताया ।
- बाल विवाह के दुष्परिणाम बताये ।
- नातरा प्रथा के दोष बताकर लोगो को जागरूक बनाया। स्लोगन, चौपाल चर्चा, पेम्पलेट वितरण रैली द्वारा लोगों से सतत सम्पर्क बनाया और शिक्षा हेतु प्रेरित किया।
- आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को निर्धन छात्र कोष व स्टॉफ सदस्यों व समुदाय की सहभागिता से संसाधन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया।
- आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बाल–श्रम कानून से परिचित कराया व शासन की आर्थिक योजनाओं से अवगत कराया।

अनियमित उपस्थिति वाले बच्चों से जीवंत सम्पर्क किया। व सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए भी रणनीति तैयार की । समाज को जाग्रत करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक शाखा नरसिंहगढ़ के ब्रांच मैनेजर श्री चौधरी जी ने बच्चों के लिए कम्प्यूटर सेट प्रदान किया (चित्र क्रं. 2) साथ ही, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव तथा मीडिया के जागरूक पत्रकारों का भी सहयोग लिया।

प्रविधियो, गतिविधियों एवं अन्य नवाचार के परिणाम

चुनौतयों के परिप्रेक्ष्य में योजनागत रूप से छात्र/शिक्षक/समुदाय की सहभागिता से किये गये प्रयासो से समाज में परिवर्तन की झलक दिखाई देने लगी ।

- पालक शिक्षा के प्रति जागरूकत हुए तथा अपने बच्चों को नियमित शाला भेजने लगे।
- पालक स्वयं शाला में आकर अपने बच्चों की प्रगति पर चर्चा करने लगे।
- जो बच्चे जागरूकता के अभाव में गंदे रहते थे व यूनिफार्म में नही आते थे वे अब स्वच्छ स्नान कर यूनिफार्म में शाला आने लगे। (चित्र क्रं. 1)
- अप्रवेशी व शाला त्यागी बच्चों की संख्या सतत कम होने लगी।
- विद्यालय के छात्रों ने पर्यावरण के महत्व को जाना व विद्यालय तथा ग्राम में पौधरोपण को अपनी आदत बना लिया।(चित्र क्रं. 2)

बडोदिया में लगा दिए 51 पौधे, आज लंकापुरी पार्क में करेंगे पौधरोपण

हरियाली महोत्सव समापन पर स्कूल में हुए कार्यक्रम में एसडीएम मौजूद रहे

भास्कर संवाददाता | नरसिंहगढ़

दैनिक भास्कर के एक पेड़-एक जिंदगी अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल बडोदिया तालाब के स्टाफ ने 5 दिनों के हरियाली पर्यावरण महोत्सव के समापन के मौके पर स्कूल परिसर में 51 पौधे लगाए। इस दौरान एसडीएम ऋषि गर्ग और उनकी पत्नी कौशिका गर्ग भी खास तौर से मौजूद थीं। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से की गई। एसडीएम ने स्कूल के रेडक्रास के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया और विद्यार्थियों को पर्यावरण से जुड़ने की सलाह दी। प्राचार्य राजेश भारतीय ने पर्यावरण को बचाने में नई पीढ़ी की भूमिका के बारे में बताया। यह भी बताया कि स्कूल में महोत्सव की शुरुआत हरियाली अमावस्या के दिन की गई थी। महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, नारा लेखन के जरिए पर्यावरण के प्रति सरोकार दर्शाया। स्कूल के जेआरसी प्रभारी कौशल शर्मा ने कैलेंडर का वाचन किया और रश्मि भार्गव ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में स्टाफ के महेंद्र सिंह हाड़ा, अनिल विश्वकर्मा, आशा मीणा, कांताप्रसाद के साथ विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। संचालन संतोष शर्मा और आभार प्रदर्शन रमाकांत गुर्जर ने किया।

इन्होंने किया बेहतर प्रदर्शन: निशा मीणा, मुकेश मीणा, सुकन्या कुशवाह, मोहन वर्मा, नीतेश चंद्रवंशी, ऋतु चंद्रवंशी, सुलोचना वर्मा, नीलू सेहरिया, विनीता अगाशे, सपना पंवार, दिव्या दांगी, सपना सेहरिया, अर्चना चंद्रवंशी आदि।

दैनिक भास्कर एक पेड़ एक ज़िंदगी

बडोदिया तालाब के स्कूल में पौधे लगाते स्कूल के प्राचार्य और विद्यार्थी।

चित्र क्रं. 2 भाग–3

– पालकों की आस्था व सोच में सबसे बड़ा बदलाव यह आया कि वे अब निजि शिक्षण संस्थान की अपेक्षा शासकीय विद्यालय में अपने बच्चों को प्रवेश दिलाने लगे। (चित्र क्रं. 3)

बदलाव | बडोदिया तालाब के सरकारी हाई स्कूल के शत-प्रतिशत परिणाम से आकर्षित हुए विद्यार्थी

निजी स्कूल का मोह छोड़ सरकारी में प्रवेश के लिए आने लगे विद्यार्थी

स्कूल में अच्छी पढ़ाई और बेहतर परिणाम के लिए आ रहे हैं बच्चे

रुपेश सिंह | नरसिंहगढ़

अच्छे परीक्षा परिणाम की वजह से अब निजी स्कूलों के छात्र सरकारी स्कूलों में प्रवेश ले रहे हैं। शासकीय हाई स्कूल बडोदिया तालाब में पढ़ाई करने के लिए छात्रों की कतार लगी है। यह वे विद्यार्थी हैं जो दूसरे स्कूलों से कक्षा 10 की परीक्षा में फेल हो गए थे। इनमें से एक विद्यार्थी सुनील विश्वकर्मा पिछले साल बडोदिया की कक्षा में बैठने की अनुमति लेकर इस सत्र में द्वितीय श्रेणी में पास भी हो चुका है। इस सत्र में दीपक चंद्रवंशी और रामदास जामलिया को स्कूल की कक्षाओं में बैठने की अनुमति मिली है। इनके अलावा 2 अन्य विद्यार्थियों के आवेदन भी वेरीफिकेशन की प्रक्रिया में हैं। यह सभी विद्यार्थी आसपास के गांवों के हैं। जिनके अभिभावकों ने उन्हें बेहतर शिक्षा के लिए नरसिंहगढ़, कुरावर के स्कूलों में प्रवेश दिलवाया था। ब्लॉक शिक्षा विभाग ने भी बडोदिया तालाब के स्कूल में पढ़ाई के स्तर को दूसरे स्कूलों के लिए प्रेरक बताया है।

स्कूल में पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक और गतिविधियां भी बेहतर तरीके से संचालित होती हैं।

प्राचार्य दे सकते हैं कक्षा में बैठने की अनुमति

नियम के मुताबिक हाई और हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य अपने विवेक के आधार पर प्राइवेट विद्यार्थियों को स्कूल की कक्षाओं में बैठने की अनुमति दे सकते हैं। इसके बदले उनसे स्कूल के लिए लिया जाने वाला निर्धारित शुल्क भी लिया जाता है।

स्कूल में पिछले सत्र के विद्यार्थियों की संख्या 111

अब तक हुए प्रवेश 98

पूरे स्टाफ की मेहनत से मिलता है परिणाम

स्कूल का पूरा स्टाफ बेहतर परिणाम के लिए मेहनत करता है। इसी का नतीजा है कि इस सत्र में स्कूल की कक्षा 10 का परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। आगे भी हम सभी मेहनत से अच्छे परिणाम देते रहेंगे।

राजेश भारतीय, प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल बडोदिया तालाब नरसिंहगढ़

दूसरे स्कूलों को प्रेरणा लेनी चाहिए

बडोदिया तालाब के स्कूल को शासन की ओर से कोई अलग से सुविधाएं नहीं मिलती हैं। इसके बावजूद उपलब्ध संसाधनों और स्टाफ से ही स्कूल की बेहतर व्यवस्थाएं और परीक्षा परिणामों ने मिसाल बनाई है। ब्लॉक के कुछ दूसरे स्कूलों के प्राचार्य और प्रधानाध्यापक भी अच्छा काम कर रहे हैं। सभी सरकारी स्कूलों को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। अगर सभी ऐसा करते हैं तो बेहद कम पैसा खर्च कर अभिभावक अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में ही बेहतर शिक्षा दिलवा सकेंगे।

जितेन्द्र सिंह देवड़ा, बीईओ नरसिंहगढ़

बच्चों के सही जवाब के इनाम में स्कूल को मिले दो कक्ष

भास्कर संवाददाता | नरसिंहगढ़

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की अपर परियोजना संचालक शिल्पा गुप्ता ने बुधवार को शासकीय हाई स्कूल बडोदिया तालाब का आकस्मिक निरीक्षण किया। कला और गणित संकाय की कक्षाएं लीं और विद्यार्थियों से संबंधित विषयों के प्रश्न पूछे। जवाब अच्छे मिले तो खुश भी हुईं।

स्कूल में जगह की कमी के बावजूद लाइब्रेरी और प्रयोगशाला की वैकल्पिक व्यवस्था देखकर उन्होंने मौके पर मौजूद डीईओ एसके मिश्रा और अभियान के संयुक्त संचालक आरके मीणा को मौखिक निर्देश दिए कि स्कूल के लिए 2 अतिरिक्त कक्ष मंजूर करें और अधूरी बाउंड्री वॉल को जल्दी पूरा करवाएं। इस दौरान प्राचार्य राजेश भारतीय समेत स्टाफ के अन्य सदस्य मौजूद थे।

विद्यार्थियों से प्रश्न पूछतीं अपर परियोजना संचालक।

सवाल पूछती गईं और विद्यार्थी फटाफट जवाब देते गए

अपर परियोजना संचालक ने गणित और कला के प्रश्न अलग-अलग विद्यार्थियों से पूछे। जिनके जवाब भी उन्हें फटाफट मिलते गए। राहुल मीणा ने क्षेत्रफल और धनराज राजपूत ने ब्याज की परिभाषा उदाहरण सहित बताई। देवेंद्र कुशवाह ने चक्रवृद्धि ब्याज का सूत्र बताया। ब्याज की गणना तिमाही या छमाही होने पर सूत्र में होने वाले परिवर्तन के बारे में ऋषि चंद्रवंशी ने बताया। इसके अलावा अपर परियोजना संचालक ने कला की कक्षा में कैरियर के पहलुओं और गणित की कक्षा में वर्ग को घन में बदलना, घन और घनाभ में अंतर और दोनों के सूत्र भी बताए। उन्होंने बताया कि मैं खुद कला संकाय से हूं। पढ़ाई मन लगाकर की तो आज इस मुकाम पर हूं।

चित्र क्रं. 3 भाग–3

– जेआरसी दल के जागरूकता मिशन का यह प्रभाव हुआ कि, ग्राम में बाल–विवाह के प्रकरण लगभग शून्य की स्थिति में पहुॅच गये है।

– ग्रामवासी शासन की योजनाओं से अवगत होने लगे अब वे आंगनवाड़ी, पंचायत व स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं से पूर्ण लाभान्वित हो रहे है।

– विद्यालय प्रबंधन से सामाजिक ताने–बाने में सकारात्मक परिवर्तन आया है नातरा प्रथा, बालश्रम में कमी व कन्या शिक्षा दर में वृद्वि इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।(प्रमाणीकरण 1)

भविष्य की योजना

शासकीय हाईस्कूल बड़ोदिया तालाब दिन प्रति–दिन प्रगति के पथ पर अग्रसर है। मेरे विद्यालय में अनेक क्षेत्रो में कार्य करने की संभावनाऐ है –

शाला के पास अपनी भूमि है जिस पर खेल मैदान का निर्माण कराया जा कर ग्रामीण प्रतिभाओं को राज्य स्तर पर स्थापित किया जा सकता है। (चित्र क्रं. 1)

शाला में रोजगार मूलक शिक्षण पाठ्यक्रम के संचालन की व्यवस्था करना जिससे बच्चे आत्म निर्भर बन सके। जैसे आई.टी., फैशन डिजायन आदि पाठ्यक्रम।

शाला को अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों से परिपूर्ण बनाना जैसे स्मार्ट क्लास/वर्चुअल क्लास जिससे छात्रों को उच्च प्रशिक्षण मिल सके।

शाला का उन्नयन हायर सेकेण्डरी के रूप में कराना जिससे ग्राम के बच्चों को 10वीं के बाद अन्यत्र न जाना पड़े क्योंकि 10वीं के बाद 45 प्रतिशत बालिकाओं की शिक्षा पर विराम लग जाता है।

उक्त क्षेत्रो को लेकर मेरे व विद्यालय परिवार द्वारा कार्ययोजना का निर्माण किया है –

– राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान व खेल युवा कल्याण विभाग के माध्यम से खेल मैदान के निर्माण के प्रयास किये है व आंशिक सफलता भी प्राप्त की है। (चित्र क्रं. 2)

– समुदाय की सहभागिता के माध्यम से प्रति माह के चतुर्थ शनिवार को बच्चों को रोजगार मूलक प्रशिक्षण के प्रयास शाला स्तर पर किये जा रहे है। अपने –अपने क्षेत्र के विशेषज्ञों को बुलाकर प्रशिक्षण दिया जाता है शासन से भी 9वीं व 10वीं में रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम हेतु मान्यता का प्रयास जारी है। (चित्र क्रं. 3)

हाईस्कूल परीक्षा परिणाम

षिक्षण सत्र	परीक्षा परिणाम (%)
2013–14	90
2014–15	97
2015–16	100
2016–17	100
2017–18	100

– समुदाय की सहभागिता से निधि जुटाकर स्मार्ट क्लास निर्माण की योजना है।

– जन प्रतिनिधियों के सहयोग से ग्राम में हायर सेकेण्डरी स्कूल के उन्नयन के प्रयास किये जा रहे है।

उक्त प्रयास निःसंदेह छात्रों के नामांकन ठहराव में वृद्वि करेंगे।

स्वयं की स्कूल लीडर के रूप में भूमिका

एक नेतृत्व कर्ता (प्राचार्य) के रूप आज में देखता हूँ कि मेरे द्वारा किये गये कार्य न केवल विद्यालय को विकास के मार्ग पर ले चले है अपितु समाज व ग्राम के लोगों में भी शासकीय संस्थाओं के प्रति जो अविश्वास का भाव था वह समाप्त हुआ है।

- मेरे आने के पूर्व शाला में छात्र/छात्राओं का नामांकन कम था आज विगत वर्षो की तुलना करे तो उसमें उत्तरोत्तर वृद्वि हुई है। खासकर बालिकाओं के नामांकन में (चित्र क्रं. 1) (ग्राफ चार्ट))
- जो छात्र/छात्रा गणवेश में नही आते थे वे आज शत–प्रतिशत गणवेश में आते है।
- वद्यालय का परीक्षा परिणाम प्रतिवर्ष निरंतर बढ़ रहा है और कक्षा 10वीं का तो विगत वर्षो से शत–प्रतिशत रह रहा है।
- समुदाय की सहभागिता के लिए सर्वप्रथम मैंने समुदाय को अपना योगदान एप्रोच रोड़ के

निर्माण व शमशान में प्लेट फार्म बनवाकर किया।(चित्र क्रं.2) जिसके परिणाम स्वरूप आज समुदाय भी विद्यालय में सकिय सहयोग देने को तत्पर है।

मैं एक प्राचार्य के नाते अपने विद्यार्थियों की सतत् सफलता के लिए प्रयत्नशील रहता हूँ और इसके लिए छात्रों के शिक्षण की व्यवस्था के साथ कमजोर छात्रों के लिए निदानात्मक कक्षाओं का संचालन , पालको से सम्पर्क, केरियर कांउसलिंग व छात्रों की आर्थिक समस्याओं के निराकरण का प्रयास करता हूँ। ताकि छात्र चिंतामुक्त तनाव रहित रहकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके। मेरी योजनाओं को मूर्त रूप में साकार करने में स्टॉफ के सदस्यों का सराहनीय योगदान है 05 सितम्बर 2018 को राज्यपाल द्वारा मेरा सम्मान (चित्र क्रं.3) न केवल मेरे कार्यो के लिए प्रोत्साहन है अपितु मेरे सत् प्रयासो को प्रमाणित करता है। जो मुझे निरंतर और अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

चित्र क्रमांक 3 भाग–5